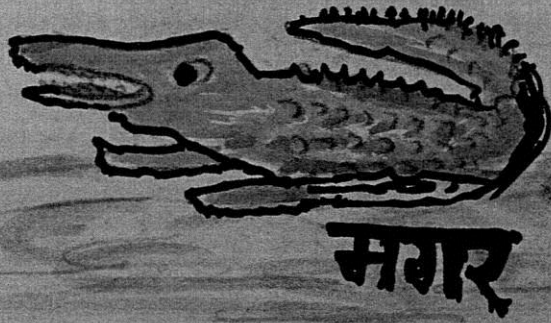




झिटकू

और

चित्र. कहानी...
(हल्दी)



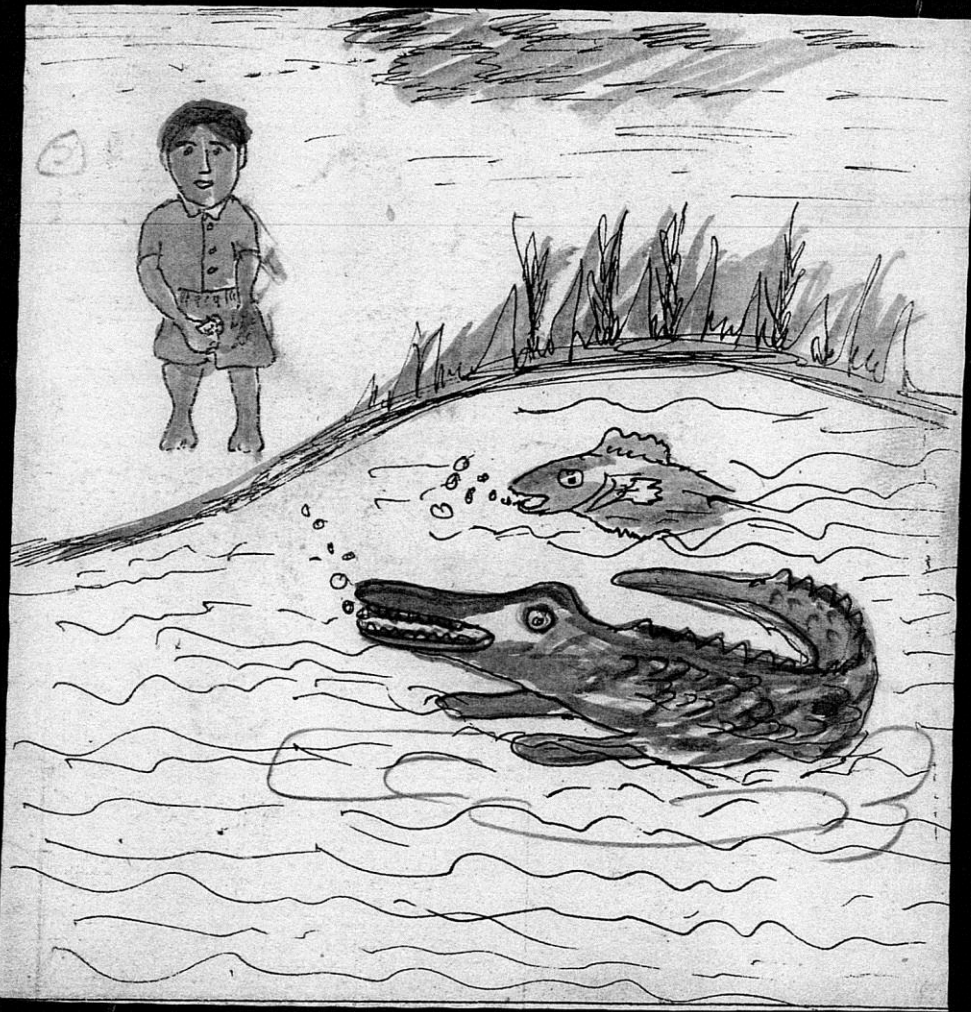
मगर

झिट्कू रोज कांगोर नदी
पर बने जल-प्रपात में
अपने दोस्तों के साथ
रोज नहाने जाता था !



वह रोज घर से जोंधरा
लाई ले जाकर मगरमच्छ
एवं मछलियों को खिलाता
था। इस तरह झिटकू
और मगरमच्छ में गहरी
दोस्ती हो गई।

श
च्छ
ता
क
र



एक दिन झिट्कू नहा
रहा था कि अचानक
फिसल गया और वह
नदी में गिर गया ।
वह अपने बचाव में
जोर-जोर से चिल्लाया



ब

राज्यशैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद- रायपुर (ख.ग.)

कार्यक्रम समन्वयक - विद्या डोंगे - SCERT, रायपुर

सहायक समन्वयक - भरत साव - डाईट - धर्मजयगढ़

मूल कथा - (i) मंगलुराम नाग (iii) सुखलाल नाग,

(ii) सोनाधर नाग (iv) लव कुमार बघेल.

भाषा - हल्दी